सीबीएस ने बढ़ाया रविवि का मान, राष्ट्रीय इंटर्नशिप के लिए 9 विद्यार्थियों का चयन

सेंट्रल फॉर बेसिक साइंस के लिए इस बार 60 सीटों पर दाखिला

राज्य कोटे की 40 और बाहरी छात्रों के लिए 20 सीटें रिजर्व

रायपुर। नईदुनिया रिपोर्टर

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में संचालित सेंटर फॉर बेसिक साइंस (सीबीएस) के छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। जिस राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में इंटर्नशिप की योग्यता स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को होती है। वह यहां अंडर ग्रेजुएट के 09 छात्र-छात्राओं ने हासिल की है। वे देश के विभिन्न संस्थानों में विज्ञान का बेसिक नॉलेज लेने के लिए 56 दिन की इंटर्नशिप में बाहर जा रहे हैं। रविवि के कुलपति डॉ. शिव कुमार पाण्डेय ने बताया कि राज्य में विज्ञान की पढ़ाई करने वाले मेधावियों की कमी नहीं है। सूचना और प्राद्योगिकी में आई क्रांति के चलते न केवल विज्ञान बल्कि सभी विषयों में अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा मिला है। गौरतलब है कि देश के किसी भी बोर्ड से विज्ञान-गणित विषय से बारहवीं उत्तीर्ण विद्यार्थी इस सेंटर में दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। सामान्य व पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक होना जरूरी है। एसटी-एससी वर्ग के लिए 55 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं उत्तीर्ण होना जरूरी है।

मिलती है छात्रवृत्ति

मूल विज्ञान केंद्र में 5 साल का एक एकीकृत पाठ्यक्रम है। इसे पूरा करने के बाद छात्र-छात्राओं को एमएससी की डिग्री मिलेगी। इसमें हर महीने छात्र-छात्राओं को 5 हजार रुपए की छात्रवृत्ति भी दी जाती है। अधिकारियों ने बताया कि सीबीएस के लिए दाखिले की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। दो साल से चल रहे सेंटर में अब तक 40 सीटों पर दाखिला हो रहा था। पिछले साल रविवि ने भुवनेश्वर स्थित नाइसर (नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च) संस्थान की मदद से 10 सीट बढ़ाई थी। इस साल और 10 सीट बढ़नी है। कुल 60 सीटों पर नाइसर की मदद से पढ़ाई करवाने का प्रस्ताव है। इसे सैद्धांतिक सहमति मिल गई है, लेकिन रविवि और नाइसर के बीच अनुबंध नहीं हो सका है।

11 जून को परीक्षा

सीबीएस के को-ऑर्डिनेटर प्रो. एचके पाठक ने बताया कि नाइसर से बातचीत चल रही है। जल्द ही 20 सीटों के लिए अनुबंध कर लिया जाएगा। फिर यह सेंटर राष्ट्रीय स्तर पर विख्यात हो जाएगा। दूसरे राज्यों के विद्यार्थियों के लिए 20 सीट आरक्षित होगी। गौरतलब है कि नाइसर एक राष्ट्रीय संस्था है, जो कि साइंस एजुकेशन और रिसर्च के लिए मशहूर है। वहीं उन्होंने बताया कि 11 जून को राज्य के 40 सीटों के लिए परीक्षा ली जाएगी।